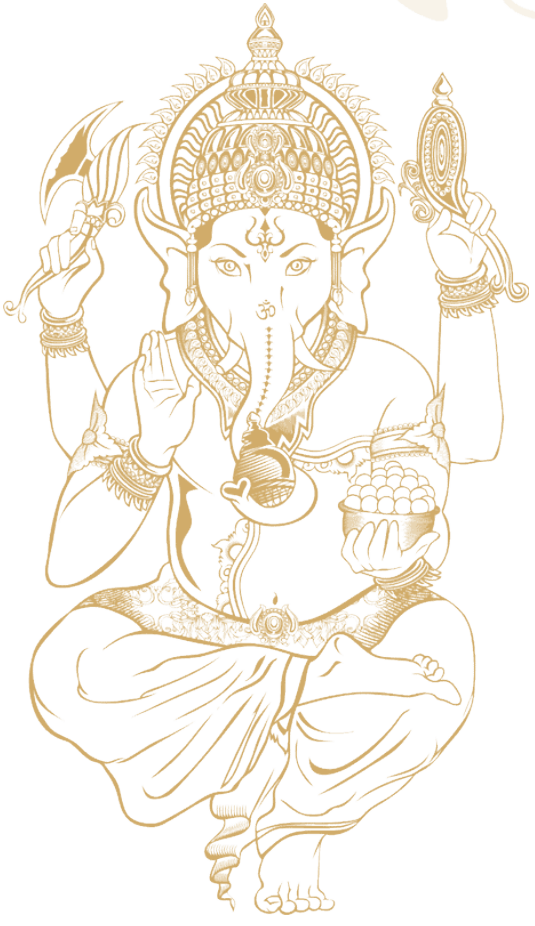

Gajendra Chauhan

14 Mar 1993

02:30 AM

Gorakhpur

Model: web-freekundliweb

Order No: 121809703

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**13-14/03/1993**
दिन	शनि-रविवार
जन्म समय	**02:30:00 घंटे**
इष्ट	50:53:37 घटी
स्थान	**Gorakhpur**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	26:45:00 उत्तर
रेखांश	83:23:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:03:32 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	02:33:32 घंटे
वेलान्तर	-00:09:32 घंटे
साम्पातिक काल	13:59:31 घंटे
सूर्योदय	06:08:33 घंटे
सूर्यास्त	18:03:50 घंटे
दिनमान	11:55:17 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	29:31:41 कुम्भ
लग्न के अंश	22:43:17 धनु

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	धनु - गुरु
राशि-स्वामी	**वृश्चिक - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**अनुराधा - 4**
नक्षत्र स्वामी	शनि
योग	वज्र
करण	विष्टि
गण	देव
योनि	मृग
नाड़ी	मध्य
वर्ण	विप्र
वश्य	कीटक
वर्ग	सर्प
युँजा	मध्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	ने-नैनसुख
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मीन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			धनु	22:43:17	361:21:59	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	शनि	---
सूर्य			कुंभ	29:31:41	00:59:49	पू०भाद्रपद	3	25	शनि	गुरु	चंद्र	शत्रु राशि
चंद्र			वृश्चि	13:47:19	13:21:24	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	राहु	नीच राशि
मंगल			मिथु	18:44:29	00:15:54	आर्द्रा	4	6	बुध	राहु	चंद्र	शत्रु राशि
बुध	व	अ	कुंभ	20:20:20	00:50:42	पू०भाद्रपद	1	25	शनि	गुरु	गुरु	सम राशि
गुरु	व		कन्या	18:06:20	00:06:58	हस्त	3	13	बुध	चंद्र	बुध	शत्रु राशि
शुक्र	व		मीन	26:07:49	00:06:07	रेवती	3	27	गुरु	बुध	गुरु	उच्च राशि
शनि			कुंभ	00:56:33	00:06:39	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	बुध	मूलत्रिकोण
राहु	व		वृश्चि	22:19:51	00:00:29	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	चंद्र	शत्रु राशि
केतु	व		वृष	22:19:51	00:00:29	रोहिणी	4	4	शुक्र	चंद्र	शुक्र	सम राशि
हर्ष			धनु	27:38:20	00:02:06	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	चंद्र	---
नेप			धनु	26:56:56	00:01:17	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	सूर्य	---
प्लूटो	व		वृश्चि	01:41:19	00:00:31	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	राहु	---
दशम भाव			तुला	08:17:49	--	स्वाति	--	15	शुक्र	राहु	राहु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:46:01

लग्न-चलित

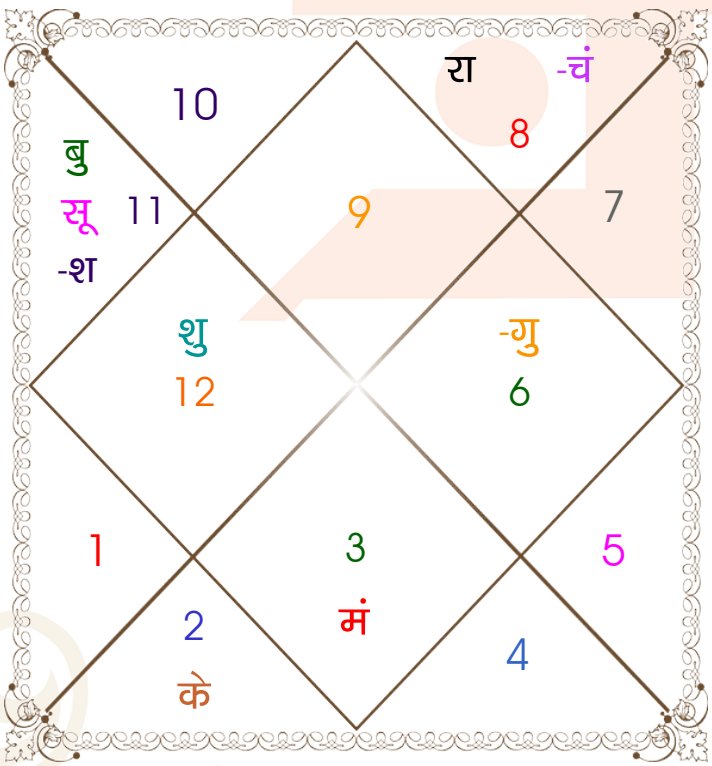

चन्द्र कुंडली

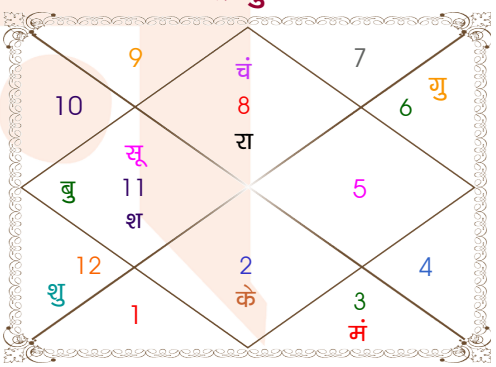

नवमांश कुंडली

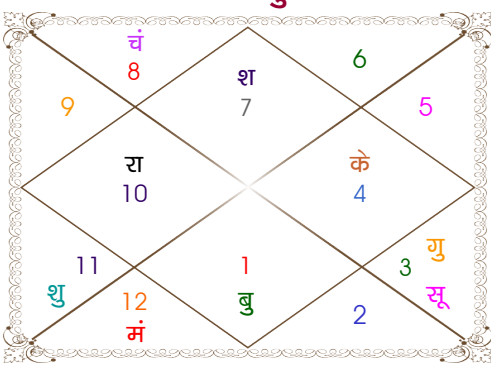

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शनि 4 वर्ष 1 मास 6 दिन

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
14/03/1993		20/04/1997		20/04/2014		20/04/2021		20/04/2041	
20/04/1997		20/04/2014		20/04/2021		20/04/2041		20/04/2047	
	00/00/0000	बुध	16/09/1999	केतु	16/09/2014	शुक्र	19/08/2024	सूर्य	07/08/2041
	00/00/0000	केतु	12/09/2000	शुक्र	16/11/2015	सूर्य	19/08/2025	चंद्र	06/02/2042
	00/00/0000	शुक्र	14/07/2003	सूर्य	23/03/2016	चंद्र	20/04/2027	मंगल	14/06/2042
	00/00/0000	सूर्य	20/05/2004	चंद्र	22/10/2016	मंगल	19/06/2028	राहु	08/05/2043
	00/00/0000	चंद्र	19/10/2005	मंगल	20/03/2017	राहु	20/06/2031	गुरु	25/02/2044
	00/00/0000	मंगल	16/10/2006	राहु	08/04/2018	गुरु	18/02/2034	शनि	06/02/2045
	14/03/1993	राहु	05/05/2009	गुरु	15/03/2019	शनि	20/04/2037	बुध	13/12/2045
राहु	07/10/1994	गुरु	11/08/2011	शनि	22/04/2020	बुध	18/02/2040	केतु	20/04/2046
गुरु	20/04/1997	शनि	20/04/2014	बुध	20/04/2021	केतु	20/04/2041	शुक्र	20/04/2047

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
20/04/2047		20/04/2057		19/04/2064		20/04/2082		20/04/2098	
20/04/2057		19/04/2064		20/04/2082		20/04/2098		00/00/0000	
चंद्र	18/02/2048	मंगल	16/09/2057	राहु	01/01/2067	गुरु	07/06/2084	शनि	24/04/2101
मंगल	19/09/2048	राहु	04/10/2058	गुरु	26/05/2069	शनि	19/12/2086	बुध	02/01/2104
राहु	20/03/2050	गुरु	10/09/2059	शनि	01/04/2072	बुध	26/03/2089	केतु	10/02/2105
गुरु	20/07/2051	शनि	19/10/2060	बुध	19/10/2074	केतु	02/03/2090	शुक्र	11/04/2108
शनि	18/02/2053	बुध	16/10/2061	केतु	07/11/2075	शुक्र	31/10/2092	सूर्य	24/03/2109
बुध	20/07/2054	केतु	14/03/2062	शुक्र	07/11/2078	सूर्य	19/08/2093	चंद्र	23/10/2110
केतु	18/02/2055	शुक्र	14/05/2063	सूर्य	01/10/2079	चंद्र	19/12/2094	मंगल	02/12/2111
शुक्र	19/10/2056	सूर्य	19/09/2063	चंद्र	01/04/2081	मंगल	25/11/2095	राहु	15/03/2113
सूर्य	20/04/2057	चंद्र	19/04/2064	मंगल	20/04/2082	राहु	20/04/2098		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शनि 4 वर्ष 1 मा 27 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पूर्वाषाढ़ा नक्षत्र के तृतीय चरण में धनु लग्नोदय काल हुआ था। आपके जन्म लग्न के उदय के साथ-साथ तुला का नवमांश एवं सिंह राशि का द्रेष्काण भी उदित था। आपका यह जन्म लग्नादिक संयोजन आपके आदर्श जीवन का आधारशिला आनंदपूर्ण पराकाष्ठा का सृजन करता है, जो आपके जीवन के लिए सुखद एवं उन्नति कारक प्रतीत होता है। आप स्वाभाविक रूप से निष्कपट व्यक्ति है। परंतु जन सामान्य के मध्य "जैसे को तैसा" वाले सिद्धांत के अनुयायी हैं। आप विश्वसनीयता पूर्वक निश्चित जीवन व्यतीत करेंगे।

आप प्रायः सदैव ही अपने पक्ष की रूपरेखा तैयार करने में लगे रहते हैं। आप आकर्षक व्यक्तित्व एवं उत्तम स्वास्थ्य के संबंध में सौभाग्यशाली हैं। आप थोड़ी शिक्षा प्राप्त करके भी बैल की सींग जैसी पैनी कार्य क्षमता द्वारा अपनी सफलता हेतु कार्य संपादन करते रहेंगे। आपमें जन्मजात अंतर्ज्ञान एवं शक्ति विद्यमान है। आप अपनी कार्य योजना के कार्यान्वयन हेतु पूर्व ही सभी तथ्यों का अध्यापन कर हर दृष्टिकोण से तत्पर रहते हैं एवं अपनी कार्य योजना पूर्णरूपेन संपन्न करने में सक्षम हो जाते हैं।

आप किसी भी तरह दो प्रकार चाल की विशेषताओं से मुड़ने की प्रवृति रखते हो। पहली बात तो यह है कि आप जूआ के प्रलोभन में फंसकर संतुष्ट होना चाहते हो। परिणाम स्वरूप क्षति उठाना पड़ता है। दूसरी बात यह कि आप धारा प्रवाह बात चीत करते हो। इस कारण मानवीय स्वाभाविक विश्वसनीयता अन्य लोगों की दृष्टि में नष्ट हो जाती है। आप सदैव स्पष्ट रूप से किसी भी बात को जन सामान्य के मध्य प्रकट कर के अन्यों के द्वारा छेड़-खानी के शिकार बनते हो। आप सदैव अपनी पैनी तीक्ष्ण शाब्दिक उच्चारण करके अन्य लोगों की आत्मा पर चोट पहुंचाते हो। इस कारण आप जब कभी अपना मैत्री पूर्ण अधिकार जताना चाहते हो तो तुम्हारे मित्र इस बातों का बहिष्कार करते हैं।

आप वैदेशिक लोगों के प्रति आकर्षित रहते हो। आप सदैव उनसे परिचय एवं संपर्क बढ़ाना चाहते हो एवं उनको अपनी दृष्टि में उच्चतम बनाकर अपना लेना चाहते हो। यदि आप सर्तकता पूर्वक वार्तालाप कर सम्पर्क में ले आएं तो यह संभाव्य है कि आप वैदेशिक भ्रमण कार्य पूरा कर सकते हैं।

आप निःसंदेह एक सुंदर भवन के स्वामी होंगे तथा अपनी प्यारी पत्नी एवं व्यवहार कुशल संतान से सुखी रह सकते हैं। परंतु आपमें बाहर भ्रमण करने की प्रवृति विद्यमान है क्योंकि आप खेल-कूद तथा भ्रमण कार्य में व्यस्त रहकर घर से बाहर रहते हैं। अस्तु आप घर-गृहस्थी के लिए सक्षम नहीं हैं। आपके लिए कार्य व्यवसायों में अनुकूल एवं शानदार कार्य, कंपनी लॉ, वैदेशिक लोगों के साथ व्यापार संबंध स्थापित करना, शैक्षणिक कार्य, राजनीति कार्य एवं शैक्षणिक संबंधी कार्य एवं धार्मिक संस्थान के कार्य उत्तम हैं।

यदि आप निम्नांकित निर्देशों को ध्यान में रखकर कार्यों का प्रस्तुतीकरण करें तो बिना किसी भी व्यवधान के सफल हो जाओगे।

आपके लिए अंको में अंक 3, 5, 6 एवं 8 अंक सर्वथा अनुकरणीय है। परंतु अंक 2, 7 एवं 9 अंक अव्यवहारणीय है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में गुरुवार, एवं रविवार का दिन अनुकूल एवं शुभ फलदायक हैं, परंतु शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके लिए प्रतिकूल एवं समस्यापूर्ण रहेगा।

आपके लिए लाल, मोतिया एवं काले रंग को छोड़ कर शेष सफेद, क्रीम रंग, सूआपंखी रंग, नीला, हरा एवं नारंगी शुभ एवं अनुकूल हैं।